16 अगस्त, 2022

राजस्थान केंद्रीय विश्वविद्यालय, अजमेर के दीक्षांत समारोह के अवसर पर माननीय लोकसभा अध्यक्ष का संबोधन

देवियो तथा सज्जनो

---

1. देश की आध्यात्मिक नगरी एवं शिक्षा की हृदयस्थली अजमेर में स्थित राजस्थान केन्द्रीय विश्वविद्यालय के इस मनोरम प्रांगण में आप सबके बीच इस दीक्षांत समारोह में सम्मिलित होकर मुझे अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव हो रहा है।राजस्थान वीरता की भूमि, शौर्य की भूमि रही है और आज यह शिक्षा की भूमि के रूप में सामने आ रही है। सम्पूर्ण विश्वविद्यालय परिवार को दीक्षांत समारोह की हार्दिक बधाई।

2. आप सभी प्रतिभाशाली युवा साथियों को इतनी बड़ी संख्या में यहां उपस्थित देखकर मेरे अंदर भी अविरल ऊर्जा का संचार हो रहा है।मुझे आशा है कि इस विश्वविद्यालय के अंदर शिक्षा के रूप में आपने जो कुछ भी प्राप्त किया है उसका अधिकतम उपयोग आप देश और समाज के कल्याण के लिए करेंगे।

3. मैं आज दीक्षांत समारोह में उपस्थित विद्यार्थियों को बधाई देता हूं, जिन्होंने अपनी शिक्षा को सफलतापूर्वक सम्पन्न किया और आज जिन्हें यहाँ उपाधि मिल रही है। यह आप सबके लिए गौरव का क्षण है। आपके शिक्षकगण और परिवारजनों को भी साधुवाद देता हूं जिन्होंने आपका सहयोग किया।

4. आज आपकी औपचारिक शिक्षा समाप्त हो रही है।आज, आप अपने जीवन के एक नए अध्याय की शुरूआत करने जा रहे हैं।

5. शिक्षा वह होती है जो हमारे चरित्र का निर्माण करे, बुद्धि का विस्तार करे और जो हमें आत्मनिर्भर बनाए। शिक्षा पूरी करके आने वालेसमयमें आप में से कोई वैज्ञानिक बनेगा, कोई आईएएस, आईपीएस बनकर देश की सेवा करेगा, कोई शिक्षक, कोई समाज सेवा, कोई बिजनेस सेक्टर में.....सब अलग अलगफील्ड में आगे बढ़ेंगे।

6. लेकिन करियर की शुरूआत करते समय हमारे कुछ लक्ष्य तय होने चाहिए। और उन लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए हमें कड़ी मेहनत करने की आवश्यकता है।

7. हमने अपने जीवन में जो कुछ भी शिक्षा से प्राप्त किया है उसका उपयोग करते हुए हम जीवन के अंदर एक निश्चित राह बनायें ताकि इसका अधिकतम लाभ देश और समाज को प्राप्त हो सके।

8. शिक्षा का एकमात्र उद्देश्य नौकरी पाना या प्लेसमेंट नहीं हो सकता। हमें अपने जीवन में कुछ न कुछ नया करने का, नवाचार करने का प्रयास करना चाहिए। हम अपने करियर में, अपने काम में सर्वश्रेष्ठ बनें यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए।

9. विश्व के अंदर जो भी बड़े बदलाव हुए हैं, जितने भी नए काम हुए हैं चाहे वे सामाजिक जीवन में हो, आर्थिक जीवन में हो, विज्ञान में हो, प्रौद्योगिकी में हो वह सभी बदलाव युवाओं ने किए हैं।

10. हमारे देश के स्वतंत्रता संग्राम में भी सबसे बड़ी भूमिका युवाओं की थी। इसलिए किसी भी देश की सबसे बड़ी पूंजी उस देश के युवा होते हैं। आपके अंदर ही सकारात्मक बदलाव की क्षमता है और ऊर्जा है।

11. देश के अंदर आज युवा आर्थिक परिवर्तन की दिशा में अग्रणी हैं। हमारे देश में यूनिकॉर्न की संख्या, स्टार्ट अप की संख्या विश्व में तेजी से बढ़ रही है। आज का युवा नवाचार कर रहा है, कुशल

उद्यमी है, आज वो नौकरी मांगने वाला नहीं बल्कि नौकरी देने वाला है। विश्व की बड़ी से बड़ी कंपनियों के CEO भारत के युवा हैं।

12. हमारी नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति का उद्देश्य यही है कि छात्रों को उनके क्षेत्र में उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर मिले।

13. इस नीति का लक्ष्य देश के लिए आदर्श नागरिक तैयार करना है जिनकाअधिकतम लाभ समाजऔर देश को मिले।पर इसके साथ हमें यह भी सुनिश्चित करना पड़ेगा कि उच्च शिक्षा देश के सभी युवाओं के लिए सुलभ हो।

14. देश के हर क्षेत्र में, हर राज्य में अच्छे शिक्षण संस्थान हों ताकि हमारे युवाओं को शिक्षा के लिए बाहर न जाना पड़े।विश्व स्तर की शिक्षण संस्थाओं का निर्माण आज की सबसे बड़ी आवश्यकता है।देश और समाज के नवनिर्माण के लिए, विकसित भारत के स्वप्न को साकार करने के लिए आपको अभी से कार्य योजना बनानी होगी, अभी से संकल्प लेना होगा।

15. इसलिए आपका प्रयास होना चाहिए कि आप अपनी क्षमता, अपनी शिक्षा का उपयोग ऐसे बदलावों के लिए करें जिसका लाभ आपकी पीढ़ी को भी मिलें और आने वाली पीढ़ी को भी मिलें।आपकी पीढ़ी अपने काम में जितनी सक्षम होगी, नई पीढ़ी को उससे उतनी ही अधिक प्रेरणा मिलेगी और लाभ भी मिलेगा।

16. आज संपूर्ण देश आजादी का अमृत महोत्सव मना रहा है। यह अमृत काल विशेष रूप से युवाओं के लिए राष्ट्रीय आह्वान है। आज हमारे पास सभी संसाधन उपलब्ध हैं, हमारे अंदर संकल्पशक्ति है। अब हम और इंतजार नहीं कर सकते। अब हमें परिवर्तन की गति तेज करनी है, संसाधनों का श्रेष्ठतम उपयोग करते हुए अधिकतम परिणाम निकालने हैं।

17. देश को विकसित देशों की अग्रिम पंक्ति में लाने के लिए यह आवश्यक है कि प्रत्येक व्यक्ति, प्रत्येक युवा अपना अधिकतम योगदान करे, अधिकतम प्रयास करे।

18. आज आप सभी युवा हैं और 25 वर्ष बाद जब देश अपनी स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे करेगा तो आप उस गौरवशाली क्षण के साक्षी बनेंगे।

19. इस अमृतकाल के दौरान नए भारत के स्वप्न को साकार करने की दिशा में आपके जीवन के आने वाले वर्ष उस भविष्य को आकार देंगे, जिसकी हम कल्पना कर रहे हैं। इस अमृत काल में देश के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करने में आपकी महत्वपूर्ण भूमिका है।

20. आपकी नयी सोच में क्षमता है कि वह देश और समाज को बदल दे।आपकी ऊर्जा, आपका संकल्प भारत को नई ऊंचाईयों पर ले जाएगा।

21. मैं यहां देख रहा हूं कि दीक्षांत समारोह में प्रतिभाशाली विद्यार्थीयों में महिलाओं की अधिक संख्या है। यह साबित कर रहा है कि आज के भारत में महिलाएं हर क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रही हैं। यह एक अच्छा संकेत है। जब देश की महिलाएं शिक्षित होती हैं तो वे न केवल अपना भविष्य सुरक्षित करती हैं बल्कि पूरे देश का भविष्य संवारती हैं।

22. इस हॉल में जो बेटियाँ यहाँ उपस्थित हैं, मैं उनसे कहूँगा कि ये आपके लिए संभावनाओं का समय है, आगे बढ़ने का समय है। देश आपके साथ है।

23. मित्रों, आज राजनीति में भी युवाओं की रुचि बढ़ रही है। विभिन्न राज्यों में युवा संसद कार्यक्रम में युवाओं की भागीदारी उत्साहजनक रहती है। मैंने स्वयं देखा है कि समसामयिक विषयों के प्रति उनकी व्यापक जानकारी है।

24. हमारी संसद और राज्य विधान मंडलों में युवाओं की भागीदारी तो है ही, हमारे जमीनी स्तर के लोकतांत्रिक निकायों, हमारी पंचायती राज संस्थाओं में युवाओं और महिलाओं की भागीदारी उत्साहवर्धक है।

25. मेरा आपसे भी आग्रह है कि आप देश की राजनीतिक प्रक्रियाओं में सक्रिय रूप से भाग लें।आपकी जिम्मेदारी मात्र मतदान करने से समाप्त नहीं होती बल्कि आप सदन की कार्यवाही पर नजर रखें!

26. आप अपने जनप्रतिनिधियों के कार्यों पर नजर रखें। आपके सुझाव उन्हें निरंतर मिलते रहें। हमारे सदन सार्थक चर्चा और संवाद के केंद्र बनें, इसमें आपकी भी भूमिका है।

27. आपसे यह भी आग्रह है कि आप अपने विश्वविद्यालयसे किसी ना किसी रूप में जुड़े रहें। जिस संस्थान ने आपका निर्माण किया है उसे सहयोग और समर्थन देने का काम करें ताकि आने वाले वर्षों में यह विश्वविद्यालय देश ही नहीं बल्कि विश्व का अग्रणी विश्वविद्यालय बने।

28. आप सभी का उज्ज्वल भविष्य हो, इसके लिए आप सभी को शुभकामनाएं। यूनिवर्सिटी के कुलपति एवं उनकी पूरी टीम को भी मेरी ओर से शुभकामनाएं।

जयहिंद।